

सिलाई

कक्षा-10

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2021-22 में विद्यालयों में समय से पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

8-सिलाई में प्रेसिंग, फोल्डिंग तथा फिनिशिंग का ज्ञान तथा उसके लाभ।

9-रासायनिक वस्त्रों के निर्माण में वातावरण पर होने वाले प्रभाव/स्वास्थ्य से उनका सम्बन्ध और बचाव।

14-सिलाई के काम में आने वाले विभिन्न टाँकों का ज्ञान।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

सिलाई

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा।

पूर्णांक 100

1-कपड़ों की किस्में--कमीज का रेशमी कपड़ा, कमीज का सूती कपड़ा, कमीज का ऊनी कपड़ा।

2-पोशाक के प्रकार--स्त्री, पुरुष तथा बच्चों की पोशाकों की प्रकार का ज्ञान।

3-कपड़े श्रिंक करने की विधि तथा उसकी उपयोगिता।

4-अच्छे कटर के गुण तथा दोष।

5-मशीन की देखभाल, तेल देने का नियम, पुर्जों की जानकारी।

6-मशीन में आने वाले दोष तथा उन्हें दूर करने के उपाय।

7-पैटर्न कटिंग व उसके लाभ।

10-सलवार, लेडीज कुर्ता, ब्लाउज, कलीदार कुर्ता और इन परिधानों की नाप लिखना, रेखा चित्र बनाना तथा पेपर कटिंग करना।

11-कुन्देदार पायजामा (अलीगढ़ पायजामा)।

12-टेनिस कालर शर्ट।

13-फुलपैट।

सिलाई--प्रयोगात्मक

15 अंक

(प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।)

पेपर कटिंग--सलवार, लेडीज कुर्ता, ब्लाउज, कलीदार कुर्ता, कुन्देदार पायजामा, टेनिस कालर शर्ट, पैन्ट एवं हॉफ पैन्ट सम्बन्धित वस्त्रों के नापों की जानकारी एवं ड्राइंग का अभ्यास।

प्रयोगात्मक--ब्लाउज, कुन्देदार पायजामा (अलीगढ़), कलीदार कुर्ता।

सिलाई में प्रयोग होने वाले उपकरण का ज्ञान।

प्रेसिंग सामग्री (इक्यूपमेण्ट्स) की जानकारी एवं उपयोगिता।

प्रयोगात्मक वस्त्रों के सिलाई सम्बन्धी परिधानों की हाथ सिलाइयाँ, काज, बटन एवं पूर्णरूपेण फिनिशिंग का ज्ञान तथा अभ्यास करना।

प्रोजेक्ट कार्यों की सूची

15 अंक

नोट :-निम्नलिखित प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्राओं से करायें। प्रोजेक्ट कार्यों की फाइल तैयार करना अनिवार्य होगा।

प्रत्येक प्रोजेक्ट पाँच अंक का होगा।

1-सिलाई एवं सिलाई मशीन।

2-सिलाई एवं पेपर कटिंग।

3-सिलाई एक कला।

4-धागों की टुनिया।

5-परिधान रचना (फाइल तैयार करें जिसमें पाठ्यक्रमानुसार छोटे-छोटे वस्त्र (नमूना) सिल कर लगायें)।

6-सिलार्ई कलट ।

7-सललार्ई ढशीन के वलडलनन डुर्जे, उनडें उतडनन डुने वलले दुष एवं सुधर ।

8-डुशरक के डुरकर ।

9-ररसरडनलक वसुतुर एवं वरतररण ।

10-सललार्ई एवं कडरई के वलडलनन टरंके ।